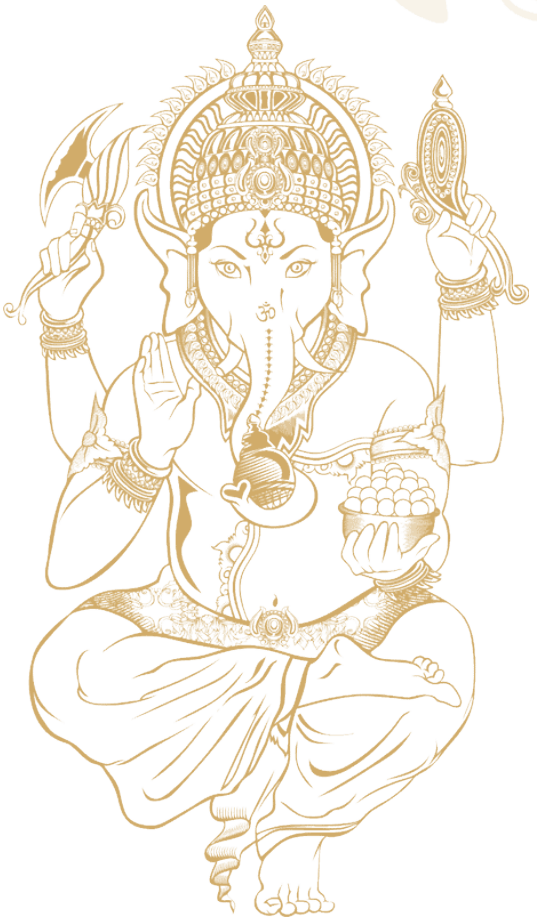

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/09/1993	जन्म तिथि	27/02/1998
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 07:30:00	जन्म समय	21:00:00 घंटे
घटी 03:28:28	जन्म समय(घटी)	35:23:20 घटी
India	देश	India
Karnal	स्थान	Uttarkashi
29:41:00 उत्तर	अक्षांश	30:44:00 उत्तर
76:59:00 पूर्व	रेखांश	78:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:04	स्थानिक संस्कार	-00:16:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:06:36	सूर्योदय	06:46:07
18:27:31	सूर्यास्त	18:13:20
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:48

विंशोत्तरी शुक्र 19वर्ष 8मा 8दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 6वर्ष 6मा 11दि	
चन्द्र		15:51:45	कन्या	लग्न	कन्या	21:48:27	बुध	
25/05/2019		28:28:37	सिंह	सूर्य	कुंभ	15:00:20	10/09/2023	
24/05/2029		13:32:25	सिंह	चंद्र	कुंभ	27:53:27	09/09/2040	
चन्द्र	24/03/2020	28:11:57	कन्या	मंगल	मीन	02:15:35	बुध	05/02/2026
मंगल	23/10/2020	12:14:59	कन्या	बुध	कुंभ	19:36:04	केतु	02/02/2027
राहु	24/04/2022	24:10:15	कन्या	गुरु	कुंभ	11:43:58	शुक्र	03/12/2029
गुरु	24/08/2023	28:18:57	कर्क	शुक्र	मक	02:38:28	सूर्य	10/10/2030
शनि	24/03/2025	01:19:26	कुंभ	व शनि	मीन	24:06:58	चन्द्र	10/03/2032
बुध	24/08/2026	12:20:25	वृश्चि	व राहु	सिंह	16:42:03	मंगल	07/03/2033
केतु	25/03/2027	12:20:25	वृष	व केतु	कुंभ	16:42:03	राहु	25/09/2035
शुक्र	23/11/2028	24:31:08	धनु	व हर्ष	मक	16:33:53	गुरु	31/12/2037
सूर्य	24/05/2029	24:39:53	धनु	व नेप	मक	07:12:34	शनि	09/09/2040
		29:28:03	तुला	प्लूटो	वृश्चि	14:11:40		

लग्न-चलित

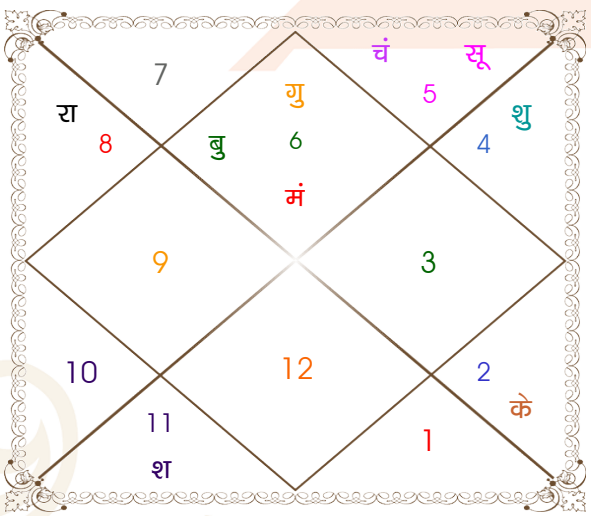

लग्न-चलित

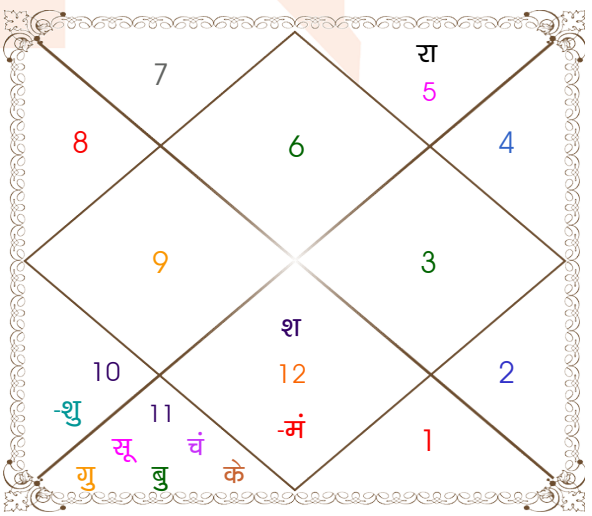

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।